आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 05 Course Code: MAHD – 05

नाटक व कथेतर गद्य विधाएं

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

(1) निम्न गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए –

मनुष्य के शरीर के जैसे दक्षिण और बाम दो पक्ष होते हैं , वैसे ही उनके हृदय के भी कोमल और कठोर, मधुर और तीक्ष्ण, दो पक्ष हैं और बराबर रहेंगे । काव्यकला की पूरी रमणीयता इन दोनों पक्षों के समन्वय के बीच मंगल या सौन्दर्य के विकास में दिखाई पड़ती है ।

अथवा

आकाश में हवाई जहाज नहीं थे और न बम ही गिर रहे थे । किन्तु चारों तरफ आग दहक रही थी, जिससे लपटों की जगह कंकाल उठ रहे थे, जिससे औरतों को सतीत्व भस्म हो रहा था। वह आग एक प्राचीन संस्कृति को भून रही थी ।

(2) 'अशोक के फूल' निबन्ध में सांस्कृतिक बोध की विवेचना कीजिए ।

अथवा

'आधे–अधूरे' नाटक की रंगमंचीय योजना का विवेचना कीजिए ।

(3) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) निबन्धकार रामचन्द्र शुक्ल का व्यक्तित्व व कृत्तित्व परिचय ।

(ख) 'चन्द्रगुप्त' नाटक का ऐतिहासिक विवेचन ।

(ग) मोहन राकेश की नाट्य दृष्टि ।

(घ) 'आवारा मसीहा' निबन्ध का प्रतिपाद्य ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 05 Course Code: MAHD – 05

नाटक व कथेतर गद्य विधाएं

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

(1) निम्न गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए –

लोक में फैली दुःख की छाया हटाने में ब्रह्म की आनंद कला जो शक्तिमय रूप धारण करती है, उसकी भीषणता में भी अद्भुत मनोहरता, कटुता में भी अपूर्व मधुरता, प्रचंडता में भी गहरी आर्द्रता साथ लगी रहती है । विरूद्धों का यही सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता । इस सामंजस्य का और कई रूपों में भी दर्शन होता है । भीषणता और सरसता, कोमलता और कठोरता, कटुता और मधुरता, प्रचंडता और मृदुता का सामंजस्य ही लोकधर्म का सौन्दर्य है ।

अथवा

''इस प्रतीक्षा में एकाएक उसका दर्द उस ढलती रात में उभर आया और सोचने लगा, आने वाली पीढ़ी पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा नहीं समझ पाती और पिछली पीढ़ी अपनी संतान के संभावित संकट की कल्पना मात्र से उद्विग्न हो जाती है । मन में यह प्रतीति ही नहीं होती कि अब संतान समर्थ है,बड़े–से–बड़ा संकट झेल लेगी ।''

(2) मोहन राकेश के नाटकों की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'आधे अधूरे' में सावित्री के चरित्र–चित्रण का उल्लेख कीजिए ।

(3) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) निबन्ध के प्रकारों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' की व्यंग्य चेतना ।

(ग) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबंध कला का विवेचन ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 06 Course Code: MAHD – 06

कथा साहित्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

(1) निम्न गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए ।

''मुझे विश्वास है कि विद्रोही बनते नहीं उत्पन्न होते है,विद्रोह बुद्धि परिस्थितियों से संघर्ष की सामर्थ्य जीवन की क्रियाओं से परिस्थितियों के घात–प्रतिघात से नहीं निर्मित होती, वह आत्मा का कृत्रिम परिवेष्टन नहीं है । मैं नहीं मानता कि देव कुछ है क्योंकि हममें कोई विवशता कोई बाध्यता है तो वह बाहरी नहीं भीतरी है, यदि बाहरी होती, परकीय होती तो हम उसे देव कह सकते पर वह तो भीतरी है हमारी अपनी है उसके पक्के होने के लिए भले ही बाहरी निमित्त है उसे हम व्यक्तित्व निमित्त कह सकते है ।''

अथवा

कोई नृत्य और गान की मजलिस सजाता था, तो कोई अफीम की पीनक ही में मजे लेता था । जीवन के प्रत्येक विभाग में आमोद–प्रमोद का प्राधान्य था । शासन–विभाग में, साहित्य–क्षेत्र में, सामाजिक अवस्था में, कला – कौशल में, उद्योग–धन्धों में, आहार–व्यवहार में सर्वत्र विलासिता व्याप्त हो रही थी ।

(2) उपन्यास की परिभाषा व स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'गोदान' में कृषक जीवन की समस्या को समझाइये ।

(3) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) अमरकान्त की 'जिन्दगी और जोंक' कहानी का प्रतिपाद्य ।

(ख) 'पत्नी' में नारी पात्र की विशिष्टता को दर्शाइये ।

(ग) प्रेमचन्द्र के उपन्यासों का संक्षिप्त परिचय ।

(घ) अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता को स्पष्ट कीजिए ।

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 06 Course Code: MAHD – 06

कथा साहित्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

(1) निम्न गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए ।

कौन नहीं है आज वहाँ? सारा गाँव है,जो उसके इशारे पर नाचता था कभी । उसकी आसामियाँ हैं जिन्हें उसने अपने नाते –रिश्तों से कभी कम नहीं समझा । लेकिन नहीं, आज उसका कोई नहीं, आज वह अकेली है? यह भीड़ की भीड़ ,उनमें कुल्लूवाल के जाट । वह क्या सुबह ही न समझा गयी थी ?

अथवा

अब मेरे पास दो ही रास्ते हैं । एक यह कि होश आने से पहले मैं उसे जान से मार डालूं ओर दूसरा यह कि अपना जरूरी सामान बांधकर तैयार हो जाऊं और ज्यूं ही उसे होश आये, हम दोनों फिर उसी रास्ते पर चल दें, जिससे भागकर कुछ बरस पहले मैंने मालो की गोद में पनाह ली थी ।

(2) कहानी ‘मेरा दुश्मन’ मनुष्यता के वास्तविक दुश्मनों की तलाश करती है । स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

‘समय सरगम’ उपन्यास की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

(3) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) कहानी और उपन्यास में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ख) ‘मधुआ’ में शराबी का चरित्र–चित्रण समझाइये ।

(ग) ‘महाराजा का इलाज’ कहानी की मूल संवेदना ।

(घ) ‘जिन्दगी और गुलाब के फूल’ का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 07 Course Code: MAHD – 07

भाषा विज्ञान

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक है तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है, (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1.भाषा के उद्भव के सबंधं में प्राप्त विभिन्न मतों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

अथवा

भाषा विज्ञान का अर्थ बताते हुए इसका अनुवाद विज्ञान से संबंध स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2.ध्वनि किसे कहते है ? इसके विविध आयामों का परिचय दीजिए ।

अथवा

वाक्य विज्ञान की परिभाषा लिखते हुए वाक्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3.निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) पूर्वी हिन्दी का परिचय ।

(ख) अर्थ विज्ञान क्या है ?

(ग) देवनागरी लिपि में सुधार के प्रयास ।

(घ) प्राकृत भाषा की विशेषताएं ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 07 Course Code: MAHD – 07

भाषा विज्ञान

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक है तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. भाषा विज्ञान की विभिन्न दशाओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 2. किन्हीं दो समाज विज्ञानों से भाषा विज्ञान का सबंधं बताइए ।

अथवा

भाषा विज्ञान और सूचना तकनीक का संबंध तय कीजिए ।

प्रश्न 3.निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) भाषा और लिपि का पारस्परिक संबंध ।

(ख) भारोपीय भाषाओं का क्षेत्र ।

(ग) पालि और प्राकृत में अंतर ।

(घ) बांगरू की विशेषताएं ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 08 Course Code: MAHD – 08

आधुनिक हिन्दी कविता व गीत परम्परा

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा 2 विवेचना परक है ,जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

भूल–गलती

आज बैठी है जिरहबख्तर पहन कर

तख्त पर दिल के

चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,

आँखें चिलती हैं नुकीले तेज पत्थर–सी,

खड़ी हैं सिर झुकाये

सब कतारें/बेजुबाँ बेबस सलाम में

अनगिनत खम्भों व मेहराबों –थमे

दरबारे–आम में,

अथवा

इस नदी का

इस शहर से कोई सम्बन्ध नहीं है ।

फिर भी नदी शहर की है ।

इसको कोई पियरी नहीं चढ़ाता

न आदमी रामनामी डाले

सुबह तड़के भागते दिखाई देते है,

न अधेड़ औरतें ठाकुर जी का

सिहांसन लिए बतियाती जाती हैं ।

प्रश्न 2. मुक्तिबोध के काव्य में फैंटेसी प्रयोग के वैशिष्ट्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

अथवा

नयी कविता की सामान्य विशेषताएं लिखिए ।

प्रश्न 3.निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) नरेश मेहता के काव्य में संवेदना ।

(ख) गिरिजाकुमार माथुर के काव्य में वैज्ञानिक चेतना ।

(ग) सर्वेश्वर के काव्य के अनुभूति पक्ष की प्रमुख विशेषताएं ।

(घ) नंदकिशोर आचार्य के व्यक्तित्व का परिचय ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 08 Course Code: MAHD – 08

आधुनिक हिन्दी कविता व गीत परम्परा

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा 2 विवेचना परक है ,जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

(क) तुमने महाकायी, ले जाओ अब तुम ही

वेणी की गन्ध से क्या

प्यासे मकरन्द से तुम्हें क्या?

जो भी नयनाभिराम सपने हैं मेरे

आँखों से अपनी ढुलका दो

ऋतुओं के रंगों के बहुरूपी परदे

प्राणों के मंच से हटा दो

हमराहिन आँधी बन आओ अब तुम ही

पथ के सम्बन्ध से तुम्हें क्या

पिछले प्रतिबन्ध से मुझे क्या?

अथवा

सुख की शीतल छाया को पाकर भी
मैं दुःख की जलती धूप नहीं भूला
चंदा की उजली चाँदनियाँ पाकर
काली रातों का रूप नहीं भूला
मैं रातों को भी दिन—सा चमकाता
यदि मेरी आयु न होती बंधन में ।

प्रश्न 2. समकालीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

अथवा

'शमशेर प्रेम और सौन्दर्य के कवि हैं' आप इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3.निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) मुक्तिबोध की काव्य भाषा पर विचार ।

(ख) 'असिद्ध की व्यथा' कविता का मूल भाव ।

(ग) 'कुआनो नदी' कविता की मूल संवेदना ।

(घ) धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व व कृतित्व का परिचय ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 09 Course Code: MAHD – 09

लोक साहित्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं, शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. लोक साहित्य के लक्षण और महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।

अथवा

लोक साहित्य का अर्थ बताते हुए उसके क्षेत्र विस्तार पर भी प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2. ''किसी भी राष्ट्र की आत्मा का सच्चा प्रतिबिम्ब उसकी लोक संस्कृति में निहित रहता है ।'' इस कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लोकसाहित्य का अन्य समाज विज्ञानों से क्या संबंध है ?

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) राजस्थान की लोककथाओं का वर्गीकरण ।

(ख) लोक कथाओं की विशेषताएं ।

(ग) लोक नाट्य शैलियों में से किन्हीं दो का विवेचन ।

(घ) लोक साहित्य की परिभाषा और स्वरूप ।

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 09 Course Code: MAHD – 09

लोक साहित्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं ,शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. 'लोकगीत' किसे कहते हैं? लोकगीतों की परिभाषा देते हुए राजस्थानी जन–जनजीवन में लोकगीतों का महत्त्व बताइये ।

अथवा

राजस्थानी लोक कथाओं की परम्परा समझाइये ।

प्रश्न 2. लोकसाहित्य के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'लोकगाथा का रचयिता अज्ञात होता है' कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) ब्रजभाषा के क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) लोक नाट्य की विशेषताएं ।

(ग) लोक संस्कृति का अर्थ ।

(घ) लोक विश्वासों का जीवन में महत्त्व ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 10 Course Code: MAHD – 10

जनसंचार माध्यम व पत्रकारिता

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं ,शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. संचार एवं जनसंचार में अन्तर स्पष्ट करते हुए संचार के विविध रूपों का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

जनसंचार के माध्यम से किन–किन लक्ष्यों की पूर्ति की जा सकती है ? सोदाहरण बताइए ।

प्रश्न 2. जनसंचार माध्यमों के आधुनिक विकास का सोदाहरण महत्त्व बताइए ।

अथवा

जनसंचार के क्षेत्र में टेलीविजन के आगमन के महत्त्व पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) जनसंचार के परंपरागत माध्यमों का उल्लेख ।

(ख) जनसंचार के कार्य ।

(ग) जनसंचार की परिभाषाएं ।

(घ) जनसंचार में इंटरनेट की उपयोगिता ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 10 Course Code: MAHD – 10

जनसंचार माध्यम व पत्रकारिता

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं, शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. आधुनिक प्रौद्योगिकी ने जनसंचार माध्यमों को किस प्रकार प्रभावित किया है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

जनसंचार के संप्रेषण सिद्धांतों का महत्त्व बताते हुए उनकी व्याख्या कीजिए ।

प्रश्न 2. साहित्यिक भाषा और सिनेमाई भाषा के अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

समकालीन जनसंचार परिदृश्य के सांस्कृतिक आयाम विषय पर निबंध लिखिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) सूचना की आवश्यकता ।

(ख) समाज के लिए जनसंचार का महत्त्व ।

(ग) जनसंचार साधनों का दुष्प्रभाव ।

(घ) भारत के जनसंचार माध्यमों में स्त्री ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi एम.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 02 Course Code: MAHD – 02

आधुनिक काव्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा 2 विवेचना परक है तथा जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है । (शब्द सीमा 150शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

औरों के हाथों से यहाँ नहीं पलती हूँ ।

अपने पैरों पर आप खड़ी चलती हूँ ।

श्रमवारि बिन्दु फल स्वास्थ्य शुचि फलती हूँ,

टपने अंचल से व्यजन आप झलती हूँ ।

अथवा

विजन–वन–वल्लरी पर

सोती थी सुहाग–भरी – स्नेह–स्वप्न–मग्न

अमल–कोमल–तनु तरूणी – जुही की कली,

दृग बन्द किए, शिथिल, पत्रांक में,

वासन्ती निशा थी,

विरह–विधुर–प्रिया–संग छोड़

किसी दूर देश में था पवन

जिसे कहते हैं मलयानिल ।

प्रश्न 2. प्रसाद जी के रचनाकार–व्यक्तित्व की मुख्य विशेषताएं बताइये ।

अथवा

''मैं नीर भरी दुख की बदली'' पंक्ति के माध्यम से महादेवी वर्मा के जिस वेदना व करूणा का आभास होता है, उस वेदना को उदाहरण सहित समझाइए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) मैथिलीशरण गुप्त की काव्य यात्रा ।

(ख) निराला की काव्य–भाषा ।

(ग) पंत जी के कृत्तित्व का परिचय ।

(घ) नागार्जुन की सामाजिक दृष्टि ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi एम.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 02 Course Code: MAHD – 02

आधुनिक काव्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा 2 विवेचना परक है तथा जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मैं सब दिन पाषाण नहीं था!

किसी शापवश हो निर्वासित

लीन हुई चेतनता मेरी ।

मन–मन्दिर का दीप बुझ गया,

मेरी दुनियाँ हुई अँधेरी!

पर यह उजड़ा उपवन सब दिन बियाबान सुनसान नहीं था !

अथवा

कालिदास, सच–सच बतलाना!

इंदुमती के मृत्युशोक से

अज रोया या तुम रोए थे?

कालिदास,सच–सच बतलाना!

प्रश्न 2. 'मैं छिपाना जानता तो जग मुझे साधू समझता' पंक्ति में बच्चन के काव्य की कौनसी प्रवृत्ति व्यक्त है ?

अथवा

''दिनकर पौरूष, ओज, क्रांति और राष्ट्रीय भावनाओं के कवि हैं ।'' इस कथन को उपयुक्त उदाहरणों सहित प्रमाणित कीजिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) 'मिलन यामिनी' कृति की प्रासंगिकता ।
(ख) रघुवीर सहाय के कृतित्व का परिचय ।
(ग) दुष्यन्त कुमार की भाषा–शैली ।
(घ) अज्ञेय के काव्य में भाषा ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi एम.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 03 Course Code: MAHD – 03

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं, शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. 'वीरगाथा काल' की साहित्यिक प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

भक्ति काल के उदय की सामाजिक व धार्मिक परिस्थितियों का सविस्तार वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 2. रीति मुक्त काव्य की प्रवृतियों की विवेचना कीजिए ।

अथवा

संतकवियों की समन्वयावादी एवं सारग्राही प्रवृति की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर लिखिए –टिप्पणी

(क) रीतिकाल के भेद ।

(ख) द्विवेदी काल के प्रमुख कवियों का परिचय ।

(ग) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा से आप क्या समझते है ।

(घ) आधुनिक युग का काल–विभाजन और नामकरण ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi एम.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 03 Course Code: MAHD – 03

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं, शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. प्रेमचन्द्रोत्तर कहानी के विकास की विभिन्न दिशाओं का वर्णन कीजिए ।

अथवा

हिन्दी आलोचना के विकास में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल व हजारी प्रसाद द्विवेदी का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'छायावादी कविता खड़ी बोली हिन्दी कविता संसार में भाव एवं भंगिता की दृष्टि से अत्यंत उल्लेखनीय संदर्भ है ।' इस कथन के आधार पर छायावाद का मूल्यांकन कीजिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) प्रगतिवादी काव्य की भाषा ।

(ख) नयी कविता में व्यष्टि–समष्टि भाव ।

(ग) समकालीन कविता का काल निर्धारण ।

(घ) शुक्ल की निबंध–शैली की विशेषताएं ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi एम.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 04 Course Code: MAHD – 04

काव्यशास्त्र व समालोचना

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं, शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र और भारतीय काव्यशास्त्र में काव्य प्रेरणा के सिद्धान्तों की तुलना कीजिए ।

अथवा

भारतीय काव्य शास्त्र में रस की महत्ता स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2. अभिव्यंजनावाद से क्या तात्पर्य है ? अभिव्यंजनावाद के स्वरूप का विश्लेषण कीजिए ।

अथवा

मार्क्सवाद का आशय स्पष्ट करते हुए इसका वैशिष्ट्य अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन से क्या तात्पर्य है ?

(ख) काव्यशास्त्र की उपादेयता ।

(ग) रिचर्ड्स का मूल्य–सिद्धान्त ।

(घ) अस्तित्ववाद व्याख्या व अवधारणा ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi एम.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 04 Course Code: MAHD – 04

काव्यशास्त्र व समालोचना

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं, शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. हिन्दी विद्वानों की काव्य प्रयोजन सम्बन्धी दृष्टि पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

रस के विभिन्न अवयवों पर प्रकाश डालिये ।

प्रश्न 2. रिचर्ड्स के सम्प्रेषण सिद्धान्त का परिचय दीजिए ।

अथवा

प्रमुख अस्तित्ववादी विचारकों का उल्लेख करते हुए अस्तित्ववादी विचारधारा के मुख्य तत्वों की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) अभिनव गुप्त के अभिव्यक्तिवाद की समीक्षा कीजिए ।

(ख) स्वच्छंदतावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

(ग) उत्तर–आधुनिकतावाद की अवधारणा ।

(घ) साधारीकरण से तात्पर्य ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi एम.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 01 Course Code: MAHD – 01

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा 2 विवेचना परक है तथा जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मोको कहाँ ढूढ़े बन्दे, मैं तो तेरे पास में ।

ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में ।

ना तो कौनो क्रिया–कर्म में, नहीं योग बैराग में ।

खोजी होय तो तुरतै मिलि हों, पल भर की तलास में ।

कहैं कबीर सुनो भाई साधों, सब स्वासन की स्वाँस में ।

अथवा

छिन्नं बासुर सीत दिघ्घ निसया । सीतं जनेत बने ।

सेजं सज्जर बानया बनितया,आनंग आलिंगने ।

यों बाला तरूनी वियोग पतनं, नलिनी दहनते हिमं ।

या मुक्के हिमवंत मन्त गमने, प्रमदा निरालंबनं ।

प्रश्न 2. विद्यापति के व्यक्तित्व और कृतित्व पर संक्षेप में विचार कीजिए ।

अथवा

कबीर की प्रासंगिकता पर एक लेख लिखिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) जायसी की रचनाओं का परिचय ।

(ख) रासो में युद्ध वर्णन की जीवंतता को दर्शाइये ।

(ग) कबीर की भक्ति भावना ।

(घ) विद्यापति का श्रृंगार वर्णन ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi एम.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 01 Course Code: MAHD – 01

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा 2 विवेचना परक है तथा जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

खेती न किसान को भिखारी को न भीख बलि

बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी ।

जीविकाविहीन लोग सीद्यमान सोचबस

कहैं एक एकन सो कहां जाई का करी ।

अथवा

कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत लजियात ।

भरे भौन मैं करत हैं, नैननु हीं सब बात ।।

नहिं परागु नहिं मधुर मपु, नहिं बिकासु इहिं काल ।

अली, कली ही सौं बध्यौं, आगैं कौन हवाल ।।

प्रश्न 2. तुलसी के समाज दर्शन पर की विवेचना कीजिए ।

अथवा

'सूर का विप्रलम्भ–श्रृंगार सूक्ष्म मानवी अन्तर्दशाओं का रसपूर्ण एवं कलात्मक चित्रण है ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) सूर के काव्य में संयोग वर्णन ।

(ख) मीरा के काव्य में दर्शन ।

(ग) बिहारी की लोकप्रियता के कारण ।

(घ) पद्माकर की श्रृंगार भावना ।